Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 21–2021] CHANDIGARH, TUESDAY, MAY 25, 2021 (JYAISTHA 4, 1943 SAKA)

PART – I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग

अधिसूचना

दिनांक 6 अप्रैल, 2021

संख्या 12/232–2020–पुरा/965–70– चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेषों तथा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का पंजाब प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है।

इसलिए, अब, पंजाब प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20), की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 1, 2, 3, 4, 5, तथा 6 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हो, सहित, जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा, प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विर्निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जायें, पर विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील तथा जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
रानी की छतरी तथा तालाब	रानी की छतरी तथा तालाब	बल्लभगढ़	फरीदाबाद	12/13 तथा 45/2	कनाल–मरला 1 - 3 3 - 9 4 - 12	अखिल भारतीय आयुविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (वाशी देह)	रानी की छतरी, राजा बलराम द्वारा अपनी रानी के लिए बनाया गया एक छोटा लेकिन खुबसूरत महल है। प्राचीन समय के दिनों में यह महल वास्तुशिल्प की उत्कृष्टता

							का प्रतीक था, जिसमें एक स्नान कुण्ड, फव्वारे और पानी के साथ राजसी महिलाओं का वहां पर आना–जाना लगा रहता था। नहाने की टंकी रानी की छतरी के बगल में स्थित है, जिसके चारों तरफ सीढ़ियां है। इसे बल्लभगढ़ शाही परिवार के अनिरूद्व सिंह की विधवा ने संरक्षण दिया था। टैंक का निर्माण ईंटों की दीवारों के साथ अष्टकोणीय बुर्ज और धनुषाकार आलों के साथ किया गया है, जिसमें पानी नजदीक की आगरा नहर से आता था। किला महल और रानी की छतरी दोनों आन्तरिक मार्ग से जुड़े हुए थे। रानी की छतरी एक चौकोर योजना के साथ एक बारहदरी हॉल संरचना और ऊंचा मैदान है। स्थापत्य विवरण में इस्लामिक मल्टी क्रॉस्ड मेहराब, नुकीले मेहराब, राजपुत शैली झरोखों को चुड़ियों और केन्द्रीय छतरी के साथ छत के स्तर पर प्याज के आकार के गुम्बद के साथ शामिल किया गया है। संरचना इंटों और चुने से निर्मित है, जिसमें हल्का बादामी रंग का बलुआ पत्थर है। आन्तरिक दीवारों को सफेद अरिश प्लॉस्टर में कवर किया गया है तथा छत चित्रित है। बिल्डिग कॉर्नर को अष्टकोणीय बुर्ज स्थल से चिहिन्त किया गया है। छत के स्तर पर रिब्ड गुम्बदार छतरियों की छाया है। सजावटी पत्थर के कोष्ठक पर एक बलुआ पत्थर का चबूतरा रैलिंग स्तर से नीचे की तरफ आता है। तालाब उत्तर भारत के क्षेत्र में प्रचलित जलाशय निकाय वास्तुकला की एक शैली है जो अष्टकोणीय बुर्ज और धनुषाकार आलों तथा नक्काशी वाली लाखौरी ईंटों की दीवारों से बना हुआ है।

डा० अशोक खेमका,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS DEPARTMENT

Notification

The 6th April, 2021

No. 12/232-2020-Pura/965-70.— Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the Ancient and Historical Monuments specified in column 1 of Schedule given below, to be protected monuments and the archaeological sites and remains specified in columns 1, 2, 3, 4, 5, and 6 of the said Schedule to be protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Archaeology and Museums Department, Chandigarh from any person with respect to the proposal before the expiry of the period so specified:-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	**Name of archaeological sites and remains**	**Name of village/city**	**Name of tehsil and district.**	**Revenue Khasra / Kila number under protection.**	**Area to be protected**	**Ownership**	**Remarks**
1	2	3	4	5	6	7	8
Rani Ki Chhatri and Tank	Rani Ki Chhatri and Tank	Ballabhgarh	Faridabad	12/13 And 45/2	K - M 1 - 3 3 - 9 4 - 12	All India Institute of Medical Sciences, New Delhi, (Resident).	Rani ki Chhatri, a small but beautiful palace built by Raja Balram for his queen. In the day of yore, the palace was a symbol of architectural excellence, interspersed with a bathing tank, fountains and water courses, was frequented by the royal ladies. The bathing tank is located next to the Rani Ki Chhatri with stairs all around. It was patronized by widow of Anrudh Singh of Ballabhgarh Royal Family. The Tank is constructed with brick walls with octagonal turrets and arched niches. It was filled with water that flowed into it from the nearby Agra Canal. Both the fort-palace and Rani Ki Chhatri were interconnected with an internal passage. Rani Ki Chhatri is a pillared hall baradari structure with a square plan and elevated plinth. The Architectural details include

							Islamic Multi cusped arches, pointed arches, Rajput style Jharokhas capped with bangldars and central Chhatri at terrace level with onion dome. The structure is built in bricks and lime, Clad with buff coloured sandstone. Interior walls are covered in white araish plaster and the ceiling is painted. Building corners are marked with a octagonal turrets at ground level capped with ribbed domed chhatris at roof level. A sandstone chajja on decorative stone brackets runs all round the building below parapet level. The tank is composed of Lakhori brick walls with octagonal turrets and arched niches, a style typical of the water body architecture prevalent in the region of North India.

DR. ASHOK KHEMKA,
Principal Secretary to Govermment Haryana,
Archaeology and Museums Department.

9162—C.S.—H.G.P., Pkl.